TIGERS

1 SQUADRON AIR FORCE

FIRST FIGHTER SQUADRON OF IAF

Issue of Special Cover
on 01 Apr 2008
to
Commemorate the
Platinum Jubilee

नं 01 स्क्वाड्रन भारतीय वायु सेना

'टाइगर्स वह पराक्रमपूर्ण नाम है जिसके द्वारा नं 01 स्क्वाड्रन भारतीय वायु सेना को पहचाना जाता है। इस स्क्वाड्रन की स्थापना 01 अप्रैल 1933 को कराची में वापिती वायुयान के साथ की गयी थी। इस स्क्वाड्रन का प्रारम्भिक इतिहास भारतीय वायुसेना के इतिहास का पर्याय है।

नं. 1 स्क्वाड्रन की कहानी सत्साहस और गौरव का आख्यान है। इस स्क्वाड्रन ने अपनी कार्यवाही का प्रथम प्रदर्शन 1937 में तत्कालीन उत्तर-पश्चिम सीमान्त प्रान्त में युद्धाभ्यास के दौरान किया था।

इस स्क्वाड्रन को बम्बई के नागरिकों द्वारा लायसेन्डर एयरक्राफ्ट भेंट किया गया था और तभी से इसे 'बाम्बे स्क्वाड्रन' के नाम से जाना जाता रहा। इस यूनिट ने 'बर्मा अभियान' में भाग लिया था। 'दि टाईगर्स' ने वर्ष 1953 में वेम्पायर एयरक्राफ्ट के साथ जेट युग में प्रवेश किया। 1957 में स्क्वाड्रन मिसटीयर एयरक्राफ्ट में परिवर्तित हुई। वर्ष 1961 में स्क्वाड्रन ने गोवा की मुक्ति अभियान के तहत् 'स्ट्राइक एवम् पैट्रोल मिशन' में भाग लिया। 1965 के भारत-पाक युद्ध के दौरान स्क्वाड्रन आदमपुर से संचालित हुई। जुलाई 1966 तक स्क्वाड्रन को सुपरसैनिक मिग-21 एयरक्राफ्ट से लैस किया गया। नं 01 स्क्वाड्रन भारतीय वायु सेना की पहली स्क्वाड्रन है जिसे 1968 में 'प्रेसिडेन्ट कलर्स' से सम्मानित किया गया।

वर्ष 1971 का भारत-पाक युद्ध स्क्वाड्रन का ग्यारहवाँ बड़ा ऑपरेशन था। इस युद्ध में युनिट को अपनी बहादुरी और शूरवीरता के लिये 1 ए वी एस एम, 1 वीर चक्र, और 03 वी एस एम पदक देकर सम्मानित किया गया। वर्ष 1986 में स्क्वाड्रन ने इसी जहाज के बल पर 1999 में कारगिल युद्ध में भाग लिया और देश का गौरव बढ़ाया।

नं 01 स्क्वाड्रन को अनेकों बार 'प्रथम' होने का श्रेय प्राप्त है। भारतीय वायु सेना के ज्यादातर युद्धक विमान पहली बार नं 01 स्क्वाड्रन के द्वारा ही वायुसेना में सम्मिलित किये गये। स्क्वाड्रन को भारतीय वायु सेना में सबसे अधिक शौर्य पुरस्कार पाने का गौरव भी हासिल है। स्क्वाड्रन ने 'सर्वश्रेष्ठ फाईटर स्क्वाड्रन' की ट्रॉफी भी अधिकतम बार जीती है। 'प्रथम' की सूची में नं 01 स्क्वाड्रन पहली किसी भारतीय द्वारा कमान की गयी स्क्वाड्रन है। स्क्वाड्रन को पहला भारतीय 'चीफ ऑफ स्टॉफ' प्रथम वायुसेना अध्यक्ष और प्रथम 'मार्शल ऑफ दि एयरफोर्स' देने का गौरव हासिल है।

सेना डाक सेवा कोर इस अवसर पर एक विशेष कवर, विशेष काट-चिह्न एवं यह विवरणिका जारी कर रही है।

1 SQUADRON INDIAN AIR FORCE

"Tigers" is the valiant name by which No. 1 squadron of the Indian Air Force is recognized. The Squadron was raised on the 1st of April 1933 in Karachi with the Wapiti Aircraft. The early history of this Squadron is synonymous with the history of the Indian Air Force.

The history of No. 1 Squadron is a saga of glory and courage. This squadron saw its first action in 1937 during operations in, what was then the North West Frontier Province.

This squadron was presented with the Lysander Aircraft by the citizens of Bombay and ever since has also been known as the 'Bombay Squadron'. The unit took part in the 'Burma Campaign'. The 'Tigers' entered the Jet Age in 1953 when they acquired Vampire aircraft and again in 1957 when they marched ahead and converted to Mystere aircraft. In 1961 this squadron flew 'Strike and Patrol missions' for the liberation of Goa. During the Indo-Pak conflict in 1965 the Squadron operated from Adampur. By July 1966 this squadron was enriched with the supersonic MACH-2 capable Mig-21 Aircraft. No. 1 Squadron has had the distinction of being the first squadron of the Indian Air Force to be presented with the President' Colours in 1968

The Indo-Pak war of 1971 was the 11th major operation for this unit and it was during this time that the officers of this unit were honoured for their valour and bravery fetching them 1 AVSM, 1 Veer Chakra and three VSM. In 1986 the 'Tigers' went in for the 'Digital Delta' Mirage-2000 Aircraft. It is on this aircraft that the Squadron took part in the Kargil conflict in 1999 to bring glory to the nation.

The Squadron has numerous enviable 'firsts' to its credits. The Squadron was the first unit to convert on to most of the new fighters of the IAF. The Squadron has aptly been decorated with the maximum number of gallantry awards in the IAF, and has also won the Best Fighter Squadron for the maximum number of times. In the list of first, our is the first Squadron to be commanded by an Indian, giving the IAF the first Indian Chief of Staff, the first Air Chief Marshal and the only Marshal of the Indian Air Force.

The Army Postal Service commemorates the occasion by issuing a special cover, cancellation and this brochure.

Printed at V. K. Enterprises Ph. : 23238916